नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में बौद्ध फिल्म महोत्सव का उदघाटन

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र का आयोजन

वर्धा दि. 20 अगस्त 2015: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र में "भारतीय बौद्ध धम्म की फिल्मों एवं वृतचित्रों का तीन दिवसीय फिल्म महोत्सव" का आयोजन किया गया। फिल्म महोत्सव में भगवान बुद्ध के जीवन वृत से जुड़ी फ़िल्में, बौद्ध कला एवं स्थापत्य से जुड़े महत्वपूर्ण स्थलों पर आधारित फिल्मों और वृतचित्रों का प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित थे। उन्होंने अपने उदघाटन वक्तव्य में कहा

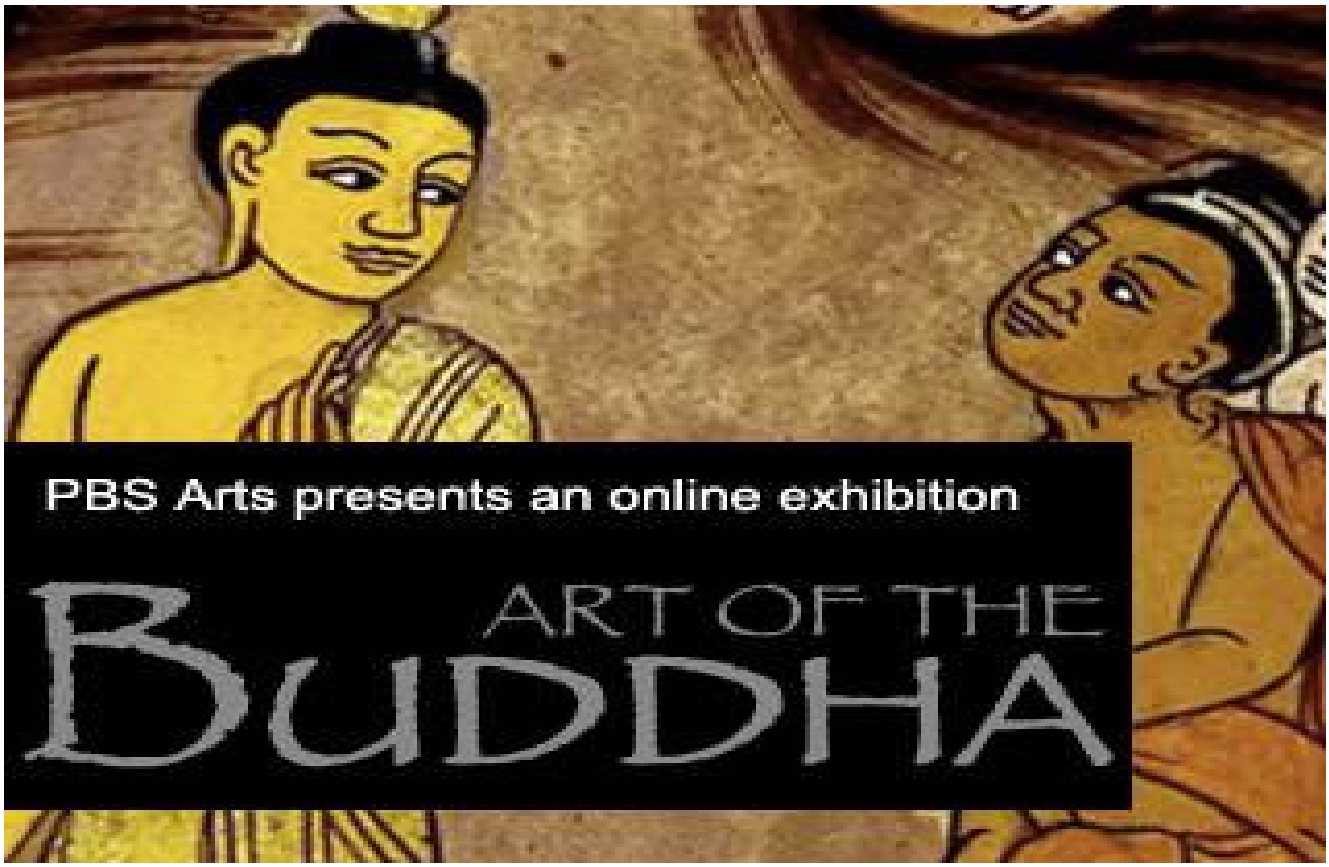

कि बौद्ध दर्शन, संस्कृति, इतिहास और स्थापत्य कला से जुड़ी फिल्मों के माध्यम से छात्र लाभान्वित होंगे तथा देश-विदेश में व्याप्त बौद्ध धम्म के विकास के बारे में अवगत हो सकेंगे। तीन दिनों में बौद्ध धम्म व स्थलों की बहुत ही महत्वपूर्ण फिल्मों एवं वृतचित्रों को दिखाया गया। जिसमें अजंता, सांची, बोधगया, सारनाथ एवं कुशीनगर से जुड़े स्थलों के वृत्तचित्रों के साथ-साथ दी स्टोरी ऑफ़ इंडिया, जीशु वॉज ए बुद्धिस्ट मोंक, दी सेवेन वंडर्स ऑफ़ बुद्धिस्ट वर्ल्ड आदि फिल्मों को दिखाया गया। इस अवसर पर केंद्र के प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, डॉ.

माणिक चन्द गजभिये, डॉ. स्नेहल रामटेके, किरण कुंभरे और शोधार्थी, विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे। इस फिल्म महोत्सव का संचालन केंद्र की सहायक प्रोफेसर सुश्री शुभांगी शंभरकर ने किया।

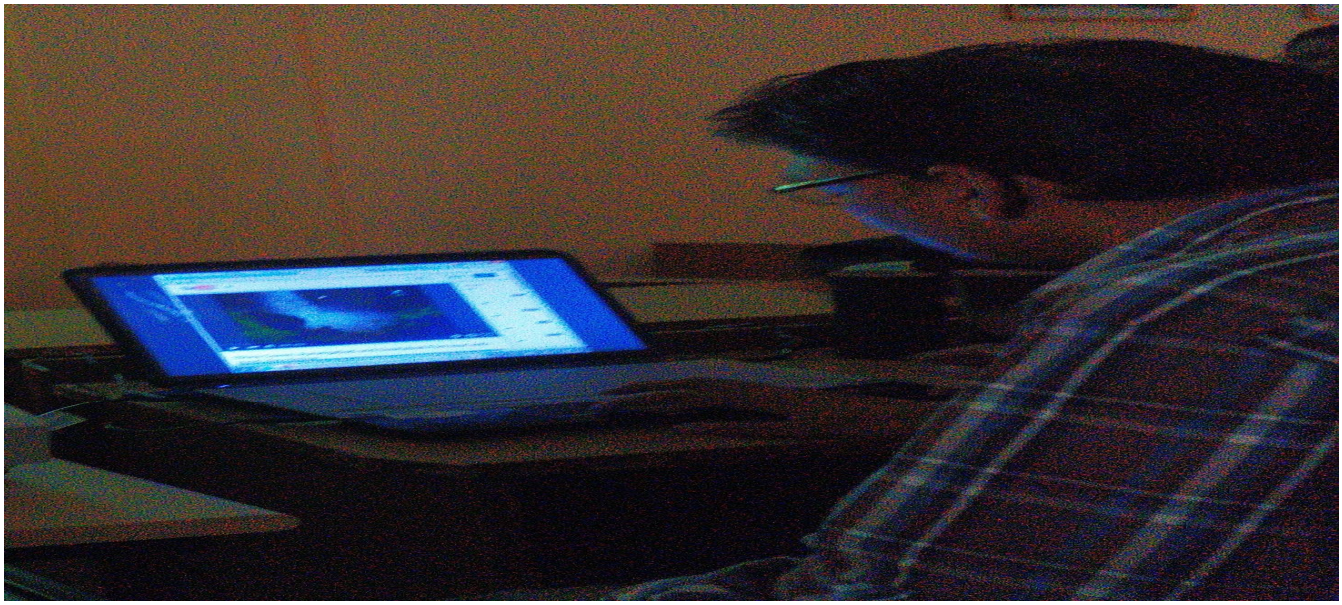

हिंदी विश्वविद्यालयात बौद्ध फिल्म महोत्सवाचे उदघाटन

डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राचे आयोजन

वर्धा दि. 20 आगस्ट 2015: महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्राच्या वतीने “बौद्ध धम्मावरील फिल्म आणि वृतचित्रांवर आधारित तीन दिवसीय फिल्म महोत्सवाचे आयोजन करण्यात आले. फिल्म महोत्सवात भगवान बुद्धांच्या जीवन आणि कार्याशी संबंधित चित्रपट, बौद्ध कला आणि स्थापत्याशी निगडीत महत्वाची ठिकाणे फिल्म आणि वृतचित्रांच्या माध्यमातून प्रदर्शित करण्यात आली. उदघाटन कार्यक्रमाला प्रमुख पाहुणे म्हणून विश्वविद्यालयाचे जनसंपर्क अधिकारी बी. एस. मिरगे उपस्थित होते. ते म्हणाले की बौद्ध दर्शन, संस्कृती, इतिहास आणि स्थापत्य कलांशी संबंधित फिल्म आणि वृत्तचित्रांच्या माध्यमातून विद्यार्थ्यांना बौद्धकालीन संस्कृतीची जाणीव होईल तसेच देश-विदेशात व्याप्त बौद्ध धम्माच्या विकासाविषयी माहिती मिळेल. महोत्सवात अजिंठा, सांची, बुद्धगया, सारनाथ आणि कुशीनगर इत्यादी ऐतिहासिक स्थळांशी संबंधित चित्रपटांशिवाय दी स्टोरी ऑफ़ इंडिया, जीशु वॉज ए बुद्धिस्ट मोंक, दी सेवेन वंडर्स ऑफ़ बुद्धिस्ट वर्ल्ड हे चित्रपट दाखविण्यात आले. उदघाटन कार्यक्रमाला केंद्राचे प्रभारी निदेशक डॉ. सुरजीत कुमार सिंह, डॉ. माणिक चन्द गजभिये, डॉ. स्नेहल रामटेके, किरण कुंभरे आणि विद्यार्थी उपस्थित होते. फिल्म महोत्सवाचे संचालन केंद्राच्या सहायक प्रोफेसर शुभांगी शंभरकर यांनी केले.